



Visit of Hon'ble Vice Chancellor to observe the University Activities and Green Campus Status



Visit of Hon'ble Vice Chancellor to observe the University Activities and Green Campus Status



दिनांक 16.05.2026 को माननीय कुलपति जी से जैविक खेती कृषक, विकास बालियान ग्राम भौरा खुर्द, मुज़फ्फरनगर ने शिष्टाचार मुलाकात की।



GPS Map Camera



मेरठ, उत्तर प्रदेश, भारत 🇮🇳

3mmw+9p2, मोदीपुरम, मेरठ, उत्तर प्रदेश 250341, भारत

Lat 29.083056° Long 77.696552°

शनिवार, 16/05/2026 06:53 PM GMT +05:30



GPS Map Camera



Google

मेरठ, उत्तर प्रदेश, भारत 🇮🇳

3mmw+9p2, मोदीपुरम, मेरठ, उत्तर प्रदेश 250341, भारत

Lat 29.083056° Long 77.696552°

शनिवार, 16/05/2026 06:53 PM GMT +05:30



GPS Map Camera



Google

मेरठ, उत्तर प्रदेश, भारत 🇮🇳

3mmw+9p2, मोदीपुरम, मेरठ, उत्तर प्रदेश 250341, भारत

Lat 29.082961° Long 77.696526°

शनिवार, 16/05/2026 06:51 PM GMT +05:30



GPS Map Camera



Google

पबरसा, उत्तर प्रदेश, भारत 🇮🇳

3mmw+592, पबरसा, उत्तर प्रदेश 250341, भारत

Lat 29.083022° Long 77.696219°

शनिवार, 16/05/2026 06:54 PM GMT +05:30



GPS Map Camera



Google

मेरठ, उत्तर प्रदेश, भारत 🇮🇳

3mmw+9p2, मोदीपुरम, मेरठ, उत्तर प्रदेश 250341, भारत

Lat 29.083056° Long 77.696552°

Fogging Activity in Hostels

## माननीय कुलाधिपति महोदया की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारियों की समीक्षा बैठक

प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज जन भवन में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ के कुलपति एवं अन्य अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विश्वविद्यालय तथा उसके अंतर्गत संचालित विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, शैक्षिक एवं गैर-शैक्षणिक फैकल्टी, अनुसंधान गतिविधियों, रिक्त पदों के सापेक्ष भर्ती, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, बेस्ट प्रैक्टिस, विद्यार्थी कल्याण, आधारभूत सुविधाओं, भवनों की स्थिति, विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, प्रगति रिपोर्ट, खेलकूद एवं सामाजिक गतिविधियों सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने कहा कि किसी भी कार्य का परिणाम महत्वपूर्ण होता है तथा विश्वविद्यालयों को अपने कार्यों के ठोस परिणाम समाज के समक्ष प्रस्तुत करने चाहिए। उन्होंने मिलेट उत्पादन को बढ़ावा देने पर बल देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का कार्य केवल शिक्षण तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उत्पाद निर्माण, पैकेजिंग एवं विपणन तक उसकी सक्रिय भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि निजी कंपनियों को आमंत्रित कर विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पादों के विक्रय की प्रभावी व्यवस्था की जाए।

उन्होंने कहा कि जिस लक्ष्य के साथ कार्य प्रारम्भ किया जाए, उसे पूर्णता तक पहुंचाना आवश्यक है। राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना एवं सरकार की अन्य योजनाओं से जोड़ने विद्यार्थियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने तथा ऐसे विद्यार्थियों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए जिन्हें रोजगार अथवा उद्यम स्थापना हेतु वित्तीय सहयोग की आवश्यकता हो।

राज्यपाल जी ने ऐसे फल एवं सब्जियों की खेती को प्रोत्साहित करने पर बल दिया जिनका उत्पादन प्रदेश में कम होता है। उन्होंने कहा कि आय सृजन के लिए यूनिक एवं उच्च मूल्य वाले कृषि उत्पादों का उत्पादन आवश्यक है। उन्होंने परंपरागत उत्पादों की प्रोसेसिंग के साथ नए उत्पाद विकसित करने तथा फलों एवं सब्जियों के अपव्यय को रोकते हुए उन्हें उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को किसानों की समस्याओं को कम करने की दिशा में व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करने चाहिए।

बैठक में कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमि, नक्शा, सीमांकन एवं अतिक्रमण हटाने के विषय पर भी चर्चा हुई। राज्यपाल जी ने निर्देश दिए कि जिन कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमि विश्वविद्यालय के नाम पर दर्ज नहीं है उन्हें विश्वविद्यालय के नाम दर्ज कराने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएं। राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के गर्ल्स छात्रावास की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्ल्स एवं बॉयज़ छात्रावास के कमरों को व्यवस्थित रखने तथा छात्र-छात्राओं द्वारा पेंटिंग एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि चीफ वार्डन सक्रिय भूमिका निभाएं तथा कुलपति एवं संबंधित अधिकारियों को यह जानकारी होनी चाहिए कि छात्र-छात्राएं किसी गतिविधि या खेलकूद हेतु बाहर जा रहे हैं तो कितने छात्र जा रहे हैं और कहां जा रहे हैं। उन्होंने छात्रावास में छात्राओं के विलंब से लौटने पर विशेष निगरानी रखने तथा अध्यापिकाओं को छात्राओं से नियमित संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को समझने के निर्देश दिए।

राज्यपाल जी ने जन भवन में संचालित नवाचारों का उल्लेख करते हुए बताया कि यहां पॉक्सो एक्ट से प्रभावित बच्चियों को सिलाई एवं अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने छात्राओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं हीमोग्लोबिन जांच पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने मेरठ में उत्पादित खेल सामग्री उत्पादों का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां के उद्योगों एवं उद्यमों से सीएसआर फंड प्राप्त कर विकासात्मक कार्यों को गति दी जा सकती है। उन्होंने कृषि उत्पादकता बढ़ाने, बहुफसली खेती को प्रोत्साहित करने तथा आयात कम एवं निर्यात अधिक करने की दिशा में कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को आंकड़ों के आधार पर लक्ष्य निर्धारित कर किसानों को उत्पादन के लिए प्रेरित करना चाहिए तथा अनुसंधान कार्यों को बढ़ावा देना चाहिए।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश को गन्ना उत्पादन के लिए उपयुक्त बताते हुए राज्यपाल महोदया ने कहा कि गन्ने के साथ-साथ अन्य फसलों का उत्पादन भी बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता बनाए रखने तथा समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक जिम्मेदारी तय करने पर बल दिया।

राज्यपाल जी ने जन भवन में संचालित नवाचारों की चर्चा करते हुए कहा कि झोपड़पट्टी एवं गरीब परिवारों के बच्चों का यहां संचालित विद्यालय में नामांकन कराया गया है। उन्होंने बताया कि जन भवन के कार्मिक एवं सुरक्षाकर्मी स्वेच्छा से ड्यूटी समय के बाद बच्चों को खेल प्रशिक्षण, बैड एवं बांसुरी वादन का प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। उन्होंने जन भवन में होने वाले पौधारोपण, गरबा, नाटक, संविधान पर चर्चा एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई प्रतिभा एवं गुण होता है, आवश्यकता केवल उन प्रतिभाओं को पहचानकर निखारने की है।







## प्रेस विज्ञप्ति

### महिला अध्ययन केन्द्र, कृषि विष्वविद्यालय के द्वारा 'महिलाओं की नेतृत्व क्षमता का विकास' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ के माननीय कुलपति डा० त्रिवेणी दत्त के दिशानिर्देशों के अनुपालन में महिला अध्ययन केन्द्र के द्वारा ग्राम चिरौड़ी में स्थित विश्वविद्यालय के फार्म हाउस के ब्लॉक बी में महिलाओं की नेतृत्व क्षमता का विकास' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 08 मई, 2026 को किया गया।

कार्यक्रम में डा० विनीता वर्मा, सचिव, महिला अध्ययन केन्द्र ने स्वागत भाषण में महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया तथा महिलाओं को स्वावलम्बि बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती इंदू सैनी, सब इंस्पेक्टर थाना दौराला तथा प्रभारी मिशन नारी शक्ति ने महिलाओं को मिशन नारी शक्ति के अन्तर्गत चल रही योजनाओं के बारे में बताया तथा पुलिस द्वारा सहायता मांगने के लिए विभिन्न हेल्पलाईन नम्बर के विषय में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के अन्त में डा० रेखा दीक्षीत द्वारा धन्यावाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में गांव की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डा० श्वेता आन्नद, डा० निमिषा टेहरी, डा० दामनी मैथाली, श्रीमती किरन, वर्णिका त्यागी, मनीषा, अनुराग तथा फार्म के समस्त कर्मचारियों ने सहयोग गया।









कृषि विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक १८.०४.२०२६ को श्री दिव्य वेद, पुराण एवं गीता सनातन मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम कार्यक्रम का आयोजन।



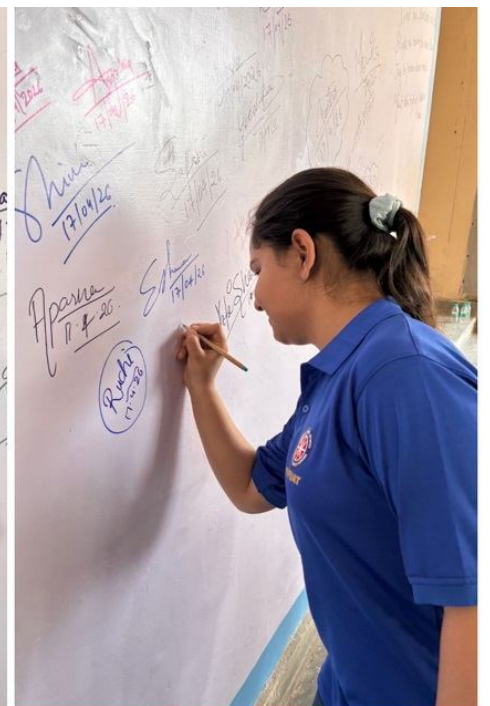
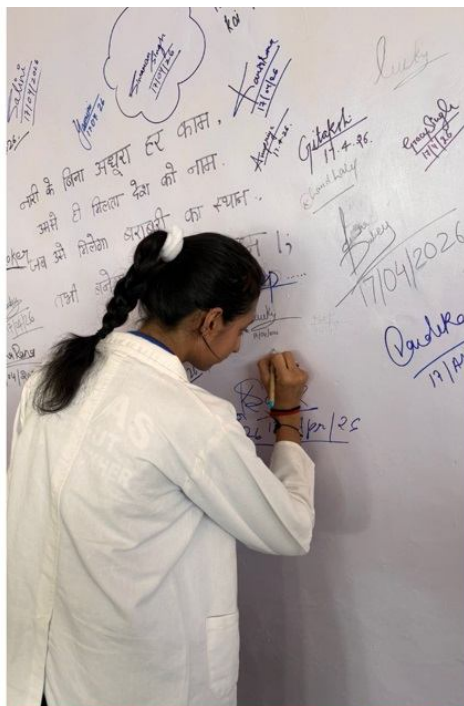
दिनांक १७.०४.२०२६ को "नारी शक्ति वंदन अधिनियम २०२३" के अंतर्गत लोकसभा की कार्यवाही का सजीव प्रसारण।



दिनांक १७.०४.२०२६ को "नारी शक्ति वंदन अधिनियम २०२३" के अंतर्गत कलात्मक नवाचार कार्यक्रम का आयोजन।



दिनांक १७.०४.२०२६ को "नारी शक्ति वंदन अधिनियम २०२३" के अंतर्गत कहानी, लेखन, भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन।



दिनांक १७.०४.२०२६ को "नारी शक्ति वंदन अधिनियम २०२३" के अंतर्गत हस्ताक्षर कार्यक्रम का आयोजन।



दिनांक १८.०४.२०२६ को "नारी शक्ति वंदन अधिनियम २०२३" के अंतर्गत साइकिल/स्कूटी यात्रा कार्यक्रम का आयोजन।

## “Excellence Recognized: Faculty Members Awarded U.P. Agricultural Scientist Award 2025–2026”



Hon'ble Vice-Chancellor Dr. Triveni Dutt congratulates Dr. Satya Prakash, Professor & Head, Department of Horticulture, on receiving the Lifetime Achievement Award 2025–26 at the U.P. Science Congress by the Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh.



Hon'ble Vice-Chancellor Dr. Triveni Dutt congratulates Dr. L.K. Gangwar, Professor, GPB & Director, IQAC, on receiving the Vishist Vaigyanik Puraskar 2025–26 at the U.P. Science Congress by the Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh.



Hon'ble Vice-Chancellor Dr. Triveni Dutt congratulates Dr. Vaishali, Professor & Head, Department of Biotechnology, on receiving the Vishist Vaigyanik Puraskar 2025–26 at the U.P. Science Congress by the Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh.



Hon'ble Vice-Chancellor Dr. Triveni Dutt congratulates Dr. Pramila Umaraw, Assistant Professor, Department of Livestock Products Technology, College of Veterinary & Animal Sciences, on receiving the Yuva Vaigyanik Puraskar (Veterinary Science & Animal Husbandry) under the U.P. Agricultural Scientist Award 2025–26 by the Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh.

## **SVPUA&T Signs MoU with the Floret Center, Nigeria to Strengthen Genomics and Bioinformatics Collaboration**

Sardar Vallabhbhai Patel University of Agriculture and Technology (SVPUA&T), Meerut, signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Floret Center for Advanced Genomics and Bioinformatics Research, Nigeria, in a virtual ceremony held on 12<sup>th</sup> March 2026 under aegis of recently established Centre for International Relations (CIR). The partnership aims to promote academic cooperation, research collaboration, and knowledge exchange in the fields of genomics, bioinformatics, and advanced agricultural sciences.

The Virtual MoU Exchange and Partnership Ceremony was conducted online with participation from scientists, faculty members, and institutional leadership from both India and Nigeria.

The program began with the national song followed by a welcome address by Dr. Harsh Panwar, Associate Director, CIR. Mr. Duro-Bello, Director (Governance) and Mr. Ibikunle, Director (Strategy & Collaborations) from The Floret Center introduced the gathering to The Floret Centre and also highlighted the research strengths and ongoing research activities in advanced genomics and bioinformatics research. Dr. Pushpendra Kumar, Director, CIR presented the overview and vision of collaboration, emphasizing opportunities for joint research projects, faculty and student exchanges, training programs, and collaborative publications.

Presidential remarks were delivered by Dr. Olabisi Flora, Executive Director of the Floret Center and Dr. Triveni Dutt, Hon'ble Vice-Chancellor. Dr. Dutt highlighted the importance of international partnerships in addressing global challenges in agriculture, biotechnology, and food security. He expressed confidence that the partnership would open new avenues for scientific research and capacity building between the two institutions. He also emphasized on students/ faculty mobility, joint workshops and development of an Institutional consortium on Bioinformatics. The Vice-Chancellor also emphasized that such international collaborations align closely with the vision of the National Education Policy 2020 and will contribute meaningfully to the national mission of Viksit Bharat 2047.

The ceremony concluded with a vote of thanks from representatives of both organizations, followed by a virtual group photograph of all participants. The event ended with the national anthems of Nigeria and India, symbolizing the beginning of a new academic partnership between the two countries.

This collaboration marks another step forward in SVPUA&T's efforts to expand its global academic network and promote international research cooperation in emerging scientific fields.



**Glimpses of MoU Signing Ceremony between SVPUA&T., Meerut and the Floret Center, Nigeria**



**Glimpses of MoU Signing Ceremony between SVPUA&T., Meerut and the Floret Center, Nigeria**

## प्रसार तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए 05 नयी बुलेरो N4 माननीय कुलपति जी द्वारा कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए रवाना की गयी।

आई0सी0ए0आर0-अटारी, कानपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ के अन्तर्गत स्थापित 05 कृषि विज्ञान केन्द्रों क्रमशः गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर-प्रथम, शाहजहाँपुर, मुरादाबाद-प्रथम एवं सहारनपुर को नए वाहन क्रय करने हेतु बजट उपलब्ध कराया। उक्त के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा 05 नई बुलेरो एन4 क्रय किया गया। आज दिनांक 12 मार्च, 2026 को विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, डा0 त्रिवेणी दत्त जी द्वारा पूजा अर्चना के उपरान्त वाहनों को झंडी दिखाकर गन्तव्य कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। माननीय कुलपति जी ने प्रसार तंत्र के और सुदृढ़ होने तथा गाँवों तक और अधिक पहुँच के लिए वाहनों को उपयोगी बताया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, निदेशक प्रसार, निदेशक शोध, निदेशक प्रशासन एवं अनुश्रवण, समस्त अधिष्ठातागण, प्रसार निदेशालय के समस्त अधिकारी एवं कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।





**Post Budget Webinar on the Theme "Agriculture and Rural Transformation" in which Hon'ble Prime Minister addressed through virtual mode**



## माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह जी का जनदिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अपने जन्मदिवस (5 मार्च) को "प्रेम-सेवा संकल्प दिवस" के रूप में मनाने के आह्वान पर आज सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ में एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति जी डॉ. त्रिवेणी दत्त जी एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के इस संकल्प में सहभागिता की। यह पहल इस संदेश को सशक्त करती है कि सच्ची शुभकामनाएँ शब्दों से नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारे कर्मों से व्यक्त होती हैं। आइए, प्रेम-सेवा संकल्प दिवस के अवसर पर हम भी एक पौधा लगाकर हरित भविष्य की ओर अपना योगदान दें।



## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ में आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस संगोष्ठी का उद्घाटन कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति डॉ त्रिवेणी दत्त एवं मुख्य अतिथि मेरठ हापुण लोकसभा क्षेत्र के सांसद अरुण गोविंद ने दीप प्रज्वलित कर प्रारंभ किया मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए सांसद अरुण गोविल ने कहा कि भारतीय पारंपरिक ज्ञान को सांस्कृतिक पहचान का आधार माना गया है आज के समय में भारतीय ज्ञान संस्कृति एवं रामायण जैसे महान ग से प्राप्त जीवन मूल्य राष्ट्र निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है उन्होंने युवाओं से भारतीय परंपरा संस्कार एवं नैतिक मूल्यों को आत्म साध करने का आवाहन किया उन्होंने कहा जब तक हम अपनी सोच और अपने एटीट्यूड को ठीक नहीं करेंगे तब तक हमारा सर्वांगीण विकास नहीं हो सकता ज्ञान और बुद्धि को एक मान लिया जाता है लेकिन दोनों के मध्य अंतर है इसलिए दोनों का समावेश करते हुए विकास को सोचना होगा संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्य हमारी जड़ें हैं इस पर भी हमें ध्यान देना होगा हमें अपनी परंपराओं तथा तकनीक को जोड़कर विकसित भारत का निर्माण करना होगा उन्होंने कहा कि व्यक्ति के विकास के लिए ज्ञान बहुत जरूरी है हमें समग्र विकास के लिए उसे अपने जीवन में उतरना होगा उन्होंने कहा कि माननीय प्रभाव प्रधानमंत्री ने हमें गुलामी की मानसिकता से बाहर निकाला है और देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई है हम सभी लोगों को मिलकर भारत की अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत करना होगा अरुण गोविल सांसद ने कहा कि किताबें का चालान एकेडमिक नॉलेज में काम होता जा रहा है इस पर भी हमें ध्यान देना होगा हम चौथी सबसे बड़ी फाइनेंशियल पावर बन सके इसके लिए कार्य करना होगा।

कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति डॉक्टर त्रिवेणी दत्त ने कहा नई शिक्षा नीति 2020 के आने के बाद विश्वविद्यालय में लागू कर दी गई है इससे पूरे देश में बच्चों का अब सर्वांगीण विकास हो सकेगा इसमें भारतीय परंपरागत ज्ञान को जोड़ा जा रहा है साथ ही संस्कृत वेद पुराण महाभारत गीता रामायण से भी छात्रों को परंपरागत ज्ञान देने की शुरुआत की जाएगी इससे छात्रों का सर्वांगीण विकास हो सकेगा साथ ही परंपरागत कृषि का ज्ञान पर्यावरण का ज्ञान आदि छात्राओं को देकर विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य किया जाएगा साथ ही वैदिक मैथमेटिक्स कल्चरल आर्ट आदि की शिक्षा भी छात्र-छात्राओं को दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान कुलपति डॉक्टर त्रिवेणी दत्त ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान है बल्कि यह आधुनिक समाज के लिए मार्गदर्शन का भी कार्य करती है।

संगोष्ठी के दौरान डॉ मनोज कुमार अग्रवाल प्रोफेसर एवं प्रचार एन यू एस महाविद्यालय ने भारतीय ज्ञान परंपरा एक परिचय डॉक्टर गजेन्द्र सिंह स्कूल आफ मैथमेटिकल एंड कंप्यूटेशनल साइंसेज जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने भारतीय प्राचीन गणित में एल्गोरिथिमिक आधार आर्यभट्ट एवं आचार पिंगला विषय पर व्याख्यान दिए अंतिम सत्र में डॉक्टर परमानंद बर्मन वरिष्ठ वैज्ञानिक सिर निष्पद नई दिल्ली ने वैज्ञानिक रूप से मान्य भारतीय पारंपरिक ज्ञान विषय पर अपने विचार रखें कार्यक्रम में स्वागत भाषण कुल सचिव प्रोफेसर रामजी सिंह द्वारा तथा धन्यवाद प्रस्ताव डॉ विजय कुमार सिंह एवं कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर कृतिका सिंह सोमवंशी द्वारा किया गया उद्घाटन सत्र के दौरान कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय डॉक्टर अर्चना आर्य आयोजन एवं अध्यक्ष न्यू एजुकेशन पॉलिसी समिति द्वारा प्रस्तुत किया गया

इस कार्यक्रम के दौरान कुलसचिव डॉक्टर रामजी सिंह कार्यक्रम की संयोजक डॉक्टर अर्चना आर्य डॉक्टर हितेश कुमार डॉ महेश कुमार भारतीय डॉक्टर श्वेता यादव अमित शर्मा दीपक गुप्ता सनी गुप्ता निर्देशक अधिष्ठाता शिक्षक तथा छात्र-छात्राएं मौजूद रहे इस संगोष्ठी के अवसर पर घर-घर रामायण कार्यक्रम के अंतर्गत श्री रामायण की 200 प्रश्न का विद्वत वितरण किया गया।





## कृषि विश्वविद्यालय मेरठ में तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

कृषि विश्वविद्यालय मेरठ में आयोजित की जा रही तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का आज समापन हुआ जिसमें संघर्षपूर्ण मुकाबले में पोस्ट हार्वेस्ट कालेज की टीम ने तकनीकी महाविद्यालय की टीम को पराजित करके विजेता का खिताब जीता इस प्रतियोगिता में अक्षित सालियांन को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला इसके अतिरिक्त बेस्ट रेडर का पुरस्कार अतुल देढा को एवं बेस्ट डिफेंडर का पुरस्कार कुशाग्र को दिया गया, समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा० त्रिवेणी दत्त ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा की खेल कूद से छात्रों के अंदर न केवल खेल भावना विकसित होती है बल्कि उनका सर्वांगीण विकास भी होता है, तथा भविष्य में खेल कूद की सुविधाओं को और अधिक बढ़ाने का पूर्ण प्रयास किया जायेगा, विश्वविद्यालय के खेल कूद समन्वयक डा० विपिन कुमार ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए विश्वविद्यालय में खेल कूद की गतिविधियों की पूर्ण रूप रेखा प्रस्तुत की, अधिष्ठाता ने छात्रों से गतिविधियों का आयोजन करने के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया, इस अवसर पर डा० वी के सिंह, डा० श्रेया रावत, डा० जेनिथा, आशा बिष्ट आदि उपस्थित रहे, प्रतियोगिता के आयोजन में पुष्पेंद्र त्यागी, श्रुति, अक्षय प्रताप, अर्जुन मलिक आदि का विशेष सहयोग रहा।





## **SVPUA&T holds International Academic Interaction under the Centre for International Relations (CIR)**

The Sardar Vallabhbhai Patel University of Agriculture and Technology (SVPUA&T), Meerut marked a significant milestone toward global academic engagement by organizing an international academic interaction with faculty members from Japan under the aegis of its newly established Centre for International Relations (CIR).

The programme was chaired by the Hon'ble Vice Chancellor, **Triveni Dutt**, and was attended by Deans, Directors, faculty members, and PG and Ph.D. scholars of the University. The distinguished guest speakers included **Matsuno Yutaka**, Professor of Environmental Management, College of Agriculture, Kindai University, and **Noda Keigi**, Professor of Biological & Environmental Engineering. The event was coordinated by Dr. Pushpendra Singh, Associate Professor & Compliance Officer, Study in India (SII) Programme.

In his welcome address, Prof. Triveni Dutt highlighted the academic excellence, research achievements, and extension strengths of SVPUAT and expressed keen interest in fostering collaborative partnerships with leading Japanese universities.

Prof. Matsuno and Prof. Noda delivered insightful lectures on advanced water resource management strategies, precision agriculture technologies, and AI-driven innovations for sustainable farming systems. They emphasized the transformative role of Information and Communication Technology (ICT) in agriculture and water management, particularly the applications of Artificial Intelligence (AI) and Machine Learning (ML) in enhancing productivity and sustainability.

The visiting professors expressed strong interest in establishing joint academic and research collaborations in the near future. The Hon'ble Vice Chancellor conveyed optimism that this interaction would pave the way for long-term collaboration between SVPUAT, The University of Tokyo, and Kindai University, thereby strengthening the University's global footprint in alignment with the objectives of the National Education Policy 2020.

Prof. Dr. Pushpendra Kumar, Director, Centre for International Relations, proposed the initiation of a twinning programme in agriculture and technology with these universities. He also suggested onboarding the distinguished faculty as adjunct/visiting professors, alongside faculty and student exchange programmes.

Dr. Harsh Panwar, Associate Director, CIR, delivered the vote of thanks and expressed gratitude to the esteemed guests and participants, reaffirming the University's commitment to international academic excellence and global collaboration.





माननीय कुलपति जी ने आज दिनांक २२.०२.२०२६ को छात्रावास का दौरा कर छात्रों से संवाद किया, उनकी सुविधाओं और समस्याओं को जाना। छात्र कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।





# एक दिवसीय राष्ट्रीय नाशीजीव निगरानी प्रणाली (एन.पी.एस.एस) कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन।

मेरठ: भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के उप कार्यालय क्षेत्रीय केन्द्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र, लखनऊ द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय नाशीजीव निगरानी प्रणाली (एन.पी.एस.एस) कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ में किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ त्रिवेणी दत्त, कुलपति, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि डॉ जे. पी. सिंह, वनस्पति संरक्षण सलाहकार, भारत सरकार, सम्मानित अतिथिगण डॉ राम जी सिंह, कुल सचिव एवं डॉ विवेक, अधिष्ठाता (कृषि), सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, डॉ. निरंजन सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, एनआरआईआईपीएम, नई दिल्ली, डॉ. सुनीता पाण्डेय, संयुक्त निदेशक एवं योजना प्रभारी आई. पी. एम. और डॉ. जी. पी. सिंह, संयुक्त निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी, क्षे. के. ए. ना. प्र. केंद्र, लखनऊ, ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ त्रिवेणी दत्त, कुलपति, ने विकसित भारत में कृषि के महत्व को बताते हुए समृद्धि के शताब्दी पर्व में एन पी एस एस ऐप एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैट बोट के इस्तेमाल पर जोर दिया। कुलपति महोदय ने बताया कि देश के कृषि क्षेत्र में आई नई तकनीकी से भारतीय कृषि को नई दिशा मिली है, अतः हम सभी लोगो का दायित्व है कि इसका पूर्ण रूप से पालन कर कृषि के डिजिटलीकरण के लक्ष्य की प्राप्ति में सहयोग करे। विशिष्ट अतिथि डॉ जे. पी. सिंह, वनस्पति संरक्षण सलाहकार, भारत सरकार ने विभिन्न जनपदों से आये हुए कृषि रक्षा, उद्यान विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के तकनीकी अधिकारियों को बताया कि राष्ट्रीय नाशीजीव निगरानी प्रणाली भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है जो नवीनतम एआई/एमएल तकनीकों का उपयोग कर कीटों एवं बीमारियों की पहचान कर तत्कालसमाधान प्रदान करता है। व्याख्यान के दौरान वनस्पति संरक्षण सलाहकार ने कहा कि भारत सरकार के विभिन्न संस्थानों द्वारा जारी रिपोर्ट के आधार पर बताया कि रासायनिक कीटनाशक अवशेष की मात्रा कृषि उत्पादों में तीव्र गति से बढ़ रहा है। जिसकी वजह से अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारत से विभिन्न कृषि उत्पादों के निर्यात में बाधा उत्पन्न हो रही है। डा सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि रासायनिक कीटनाशकों का अनुचित प्रयोग मानव शरीर पर दुष्परिणाम के साथ-साथ पर्यावरण के लिए बेहद नुकसानदेह है।

डॉ राम जी सिंह, कुल सचिव वर्तमान में चल रही ए आई सम्मेलन को ध्यान में रखते हुए बताया कि आने वाला समय एआई का है ए आई आधारित एन पी एस एस ऐप का उपयोग करके किसानों की लागत को कम कर सकते है।

डॉ विवेक, अधिष्ठाता, कृषि ने उन्नत तकनीकी से कृषि करने पर जोर दिया एवं प्रशिक्षणार्थियों को एन पी एस एस के उपयोग पर जोर दिया।

डॉ. निरंजन सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, एनआरआईआईपीएम, ने सभागार में तकनीकी सत्र में उपस्थित विभिन्न जनपदों से आये हुए प्रशिक्षुओं को एन.पी.एस.एस. ऐप के डाऊनलोड से लेकर प्रयोग विधि, प्रविष्टि, फोटो अपलोड एवं सलाह जारी करने तक पूरी विधियों की प्रस्तुति ऑनलाइन करके दिखाया।

डॉ. सुनीता पाण्डेय, संयुक्त निदेशक एवं योजना प्रभारी, आई. पी. एम. ने वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के कार्यों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और एन पी एस एस ऐप के सैद्धांतिक पहलुओं पर चर्चा की। डॉ सुनीता के सभी सम्मानित अतिथियों एवं प्रतिभागियों की उपस्थिति के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

डॉ. जी. पी. सिंह, संयुक्त निदेशक, प्रभारी अधिकारी क्षे. के. ए. ना. प्र. केंद्र ने आये हुए सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया। एन पी एस एस के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि यह ऐप नशीजीव की सही पहचान, समय पर निदान और नुकसान से होने वाले पूर्वानुमान के बारे में बताता है।

डॉ गजे सिंह, प्रोफेसर, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ आर एस सेंगर, प्रोफेसर एवं डॉ दिग्विजय सिंह, विभागाध्यक्ष कीट विज्ञान, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ ने कार्यक्रम संपन्न करने में विशेष सहयोग प्रदान किया।  
कार्यक्रम का सफल संचालन शैलेश कुमार, सहायक निदेशक, क्षे. के. ए. ना. प्र. कें. लखनऊ ने किया।



# एकेडमिक काउंसिल की 96वीं बैठक का आयोजन

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आज एकेडमिक काउंसिल की 96वीं बैठक का आयोजन कुलपति डॉ त्रिवेणी दत्त की अध्यक्षता में किया गया इस बैठक में 26 प्रस्ताव रखे गए जिन पर विचार उपरांत के बाद सभी को पास कर दिया गया इस बार विभिन्न महाविद्यालय में छात्रों की संख्या पिछले वर्ष से लगभग 20% तक बढ़ा दी गई है जिससे प्रदेश के छात्रों को अधिक से अधिक संख्या में कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने का मौका मिल सकेगा इस बार एमवी एस सी वेटरनरी कॉलेज में एनिमल साइंस कॉलेज ऑफ बायोटेक्नोलॉजी में एमएससी M.tech तथा एचडी में इनफॉर्मेटिक्स साइंस में प्रारंभ की जाएगी इसके अलावा बीटेक डाटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बीटेक इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी B.Tech इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग बीटेक केमिकल इंजीनियरिंग बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग की भी क्लासेस और डिग्री प्रोग्राम शुरू किए जाएंगे।

कृषि विश्वविद्यालय में इस बार से बीएससी एग्रीकल्चर ऑनर्स नेचुरल फार्मिंग एवं एमएससी ऑर्गेनिक एग्रीकल्चर में भी प्रारंभ की जाएगी इसके अलावा विश्वविद्यालय में MBA एग्री बिजनेस मैनेजमेंट की लगभग 50 सीट के साथ शिक्षा प्रारंभ की जाएगी।

कृषि विश्वविद्यालय में इस बार मैथमेटिक्स एवं डाटा साइंस में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को भी प्रारंभ करने का अनुमोदन दिया गया इसके अलावा एमएससी एनवायरमेंटल साइंस में भी प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की गई है इसी प्रकार से एमएससी बायोकेमेस्ट्री में भी शिक्षण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा इसके अलावा बीज प्रोडक्शन बीकीपिंग बायो एजेंट प्रोडक्शन फिश एकेरियम फेब्रिकेशन एंड मैनेजमेंट नेचुरल फार्मिंग मशरूम प्रोडक्शन क्लाइमेट रेजिडेंट एग्रीकल्चर रीजेनरेटिव एग्रीकल्चर टिशु कल्चर बेसिक मॉलेक्युलर टेक्निक्स के इनफॉर्मेटिक्स लैंडस्केपिंग और गार्डनिंग प्रोडक्ट कल्टीवेशन ऑफ फ्लावर क्रॉप्स हाइड्रोपोनिक्स वेजिटेबल प्रोडक्शन पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट का फ्रूट्स एंड वेजिटेबल एगर्जॉटिक वेजिटेबल प्रोडक्शन आदि विषयों पर वोकेशनल तथा सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया इसके अलावा कुलपति के मार्गदर्शन में अन्य कई वोकेशनल तथा सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किए जाएंगे जिससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ-साथ पूरे उत्तर प्रदेश और भारत के लोगों को ट्रेनिंग डे कार्ड स्टार्टअप तथा एंटरप्रेन्योर्सशिप में उनको और आगे बढ़ाया जा सके।

इस अवसर पर कुल सचिव प्रोफेसर रामजी सिंह वित्त नियंत्रक पंकज चतुर्वेदी विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता निर्देशक विभाग विभागाध्यक्ष विभिन्न महाविद्यालयों के फैकल्टी सिव्योरिटी वरिष्ठ एसोसिएट प्रोफेसर एवं वरिष्ठ असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल रहे आज एकेडमिक काउंसिल का प्रारंभ वंदे मातरम से प्रारंभ किया गया और अंत में राष्ट्रगान के उपरांत बैठक का समापन हुआ यह पहला अवसर था जब विश्वविद्यालय में कुलपति डॉक्टर त्रिवेणी दत्त के निर्देशन में एकेडमिक काउंसिल एक नए और सुव्यवस्थित तरह से संपन्न हुई।



